समाचार

प्रदेश की "लाइफ लाइन", नर्मदा नदी पर आधारित प्रदेश के बिजली सेक्टर का कैलेण्डर विमोचित

जबलपुर, 04 जनवरी। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक एवं तीनों विद्युत वितरण कंपनियों के अध्यक्ष श्री संजय कुमार शुक्ल, मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री मुकेश चन्द गुप्ता, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्री ए. पी. भैरवे एवं एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन श्री एम.पी. चिंचोलकर ने गत दिवस एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड, मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड व मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के दीवार व टेबल कैलेण्डर का विमोचन किया। इस अवसर पर बिजली कंपनियों के डायरेक्टर, अभियंता एवं कार्मिक उपस्थित थे। सभी कंपनियों के कैलेण्डर को विमोचन हेतु मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की कल्याण अधिकारी श्रीमती नुसरत सिद्दीकी ने प्रस्तुत किया।

प्रबंध संचालक श्री संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि नर्मदा नदी हमारे प्रदेश की "लाइफ लाइन" है जो हमारे प्रदेश के बहुत बड़े हिस्से को पेयजल, सिंचाई के साथ उद्योगों को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, वहीं प्रदेश के बिजली उत्पादन में भी नर्मदा नदी का बड़ा योगदान है। इसलिए हमारा कर्तव्य है कि प्रकृति से मिली इस अनुपम धरोहर के संरक्षण का विशेष ध्यान रखें। श्री शुक्ल ने कहा कि हम सबका कर्तव्य है कि हम लोगों को लगातार जागरूक करते रहें कि नर्मदा नदी में प्रदूषण न बढ़े जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ जल मिले वहीं सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध होता रहे।

नर्मदा नदी का प्रवाह क्षेत्र अनूपपुर जिले के अमरकंटक की पहडियों से निकलकर मध्यप्रदेश के 16 जिलों और 51 विकासखण्ड से होती हुई अलीराजपुर जिले के सोण्डवा तक 1077 किलोमीटर की यात्रा कर गुजरात में भरूच के आगे 1310 किलोमीटर का प्रवाह तय कर खम्भात की खाड़ी में मिल जाती है।

नर्मदा सहायक नदियों सहित प्रदेश के बहुत बड़े क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल का बारहमासी स्त्रोत है। नदी का कृषि, बिजली, पर्यटन और उद्योगों के विकास में अति महत्वपूर्ण योगदान है। नर्मदा तट ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है, जो प्रदेश, देश और विदेश के पर्यटकों केा अपनी ओर आकर्षित करते हैं। नर्मदा नदी का सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व साहित्यिक रूप से काफी महत्व है।

उल्लेखनीय है कि पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की कल्याण अधिकारी श्रीमती नुसरत सिद्दीकी ने दोनों कैलेण्डरों की परिकल्पना की है। प्रदेश की बिजली कंपनियों के वर्ष 2018 के दीवार कैलेण्डर में जनवरी के पृष्ठ पर बरगी बांध, फरवरी में कपिलधारा, मार्च में नर्मदा उद्गम स्थल, अप्रैल में महेश्वर, मई में गांव के किनारे नर्मदा, जून में बैक वाटर बरगी, जुलाई में तिलवाराघाट, अगस्त में भेड़ाघाट, सितंबर-अक्टूबर में मंडला रोड पर नर्मदा, नवंबर में ग्वारीघाट एवं दिसंबर में पायली को प्रदर्शित किया गया है। टेबिल कैलेण्डर में जलपरी को प्रदर्शित किया गया है। दीवार व टेबल कैलेण्डर मे अजय उभगांवकर, अविनाश सिंह, प्राप्ति परेश संघवी, शैलेन्द्र कुमार चार्ल्स एवं स्व. दिनेश कुमार मिश्रा के चयनित छायाचित्रों को शामिल किया गया है।

समाचार क्रमांक: 10/2018

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी